अहमदाबाद में उद्योगपतियों और निवेशकों से संवाद सत्र में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की खूबियों पर रखी अपनी बात

मध्यप्रदेश हर तरह के निवेश के लिए है तैयार, अवसरों का लाभ उठायें, यहां खुलकर करें निवेश : मोहन

सच प्रतिनिधि || भोपाल

गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित निवेश संवाद के दौरान मध्यप्रदेश को विभिन्न क्षेत्रों में 8 हजार 635 करोड़ रुपये के निवेश प्राप्त हुए हैं। इन प्रस्तावों से 5 हजार 785 से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे। निवेश संवाद में गुजरात के अहमदाबाद, सूरत, भावनगर, राजकोट और वडोदरा सहित प्रमुख औद्योगिक केंद्रों से 500 से अधिक उद्योगपतियों, निवेशकों एवं कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों ने सहभागिता की और मध्यप्रदेश में निवेश के प्रति विशेष रुचि दिखाई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को अहमदाबाद में आयोजित मेगा निवेश संवाद (इंटरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन मध्यप्रदेश) में देशभर से आए प्रमुख उद्योगपतियों और निवेशकों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश व्यापार-व्यवसाय, नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना-विस्तार और बिजनेस एक्सटेंशन के लिए असीम संभावनाओं की धरती है। मध्यप्रदेश में निवेश हमेशा से ही फायदे का सौदा रहा है। मुख्यमंत्री ने देशभर के निवेशकों का प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता की ओर से स्वागत करते हुए कहा कि प्रदेश में निवेश करने वालों को हमारी सरकार हर संभव सुविधा, सुरक्षा और सहयोग उपलब्ध कराएगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए देश में चल रहे विकास यज्ञ का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश की नई औद्योगिक नीतियों को देश के उद्योग जगत से सराहना मिल रही है। उन्होंने कहा कि उद्योग के संचालन के लिए मुख्यत ठोस नीति, नेक नीयत और सहयोगी सरकार। मध्यप्रदेश में आपको यह तीनों ही मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने गुजरात के उद्योग जगत को आगामी प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027, भोपाल के लिए आमंत्रित करते हुए कहा, आपके पास अनुभव है और हमारे पास अवसर। हमारे अवसरों को आपका अनुभव मिल जाए, तो हम मिलकर इतिहास रचेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों से मध्यप्रदेश के प्रगति पथ में सहयात्री बनने का आह्वान करते हुए कहा कि आइए, मध्यप्रदेश में बिना किसी संकोच के और खुले दिल से निवेश कीजिए तथा हमारे साथ विकास की इस ऐतिहासिक यात्रा का हिस्सा बनिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेशकों को बिजली, पानी और जमीन की चिंता करने की जरूरत नहीं है। औद्योगिक भूमि रियायती दरों पर लीज पर उपलब्ध है, पर्याप्त वाटर बैंक और सरप्लस बिजली है तथा प्लग एंड प्ले जोन विकसित किए जा रहे हैं। लगभग 19 हजार एकड़ में 48 नए इंडस्ट्रियल पार्क विकसित किए जा रहे हैं। सिंगल विंडो सिस्टम को %समस्याओं का अंत, सेवा तुरंत% बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हर बाधा का समाधान एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। सरल और सहज कनेक्टिविटी को प्रदेश की बड़ी ताकत बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में 5 लाख किलोमीटर से अधिक सड़क नेटवर्क, मजबूत रेल कनेक्टिविटी, 8 एयरपोर्ट, 6 अंतर्देशीय कंटेनर डिपो, एक्सप्रेस-वे और हाईवेज़ उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रशिक्षित और कुशल श्रमशक्ति भी बेहद आसानी से उपलब्ध है।

मध्यप्रदेश और गुजरात हैं जुड़वा भाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश और गुजरात के बीच औद्योगिक संभावनाओं एवं उच्च कोटि के परस्पर सहयोग का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों ही राज्य जुड़वा भाईयों की तरह हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात के पास तकनीक, व्यापार और औद्योगिक अनुभव है, वहीं मध्यप्रदेश के पास प्रचुर जल, लैंड बैंक और देश के मध्य में स्थित होने का लॉजिस्टिक्स एडवांटेज है। दोनों राज्यों की इन्हीं बेजोड़ विशेषताओं के समन्वय से इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास का नया इतिहास रचा जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुजरात के पेट्रोकेमिकल, रसायन, टेक्सटाइल, फार्मा, फूड प्रोसेसिंग और ऑटोमोबाइल क्षेत्रों के लिए मध्यप्रदेश में व्यापक अवसर हैं। बीना में विशाल पेट्रोकेमिकल रिफाइनरी, उज्जैन में 360 एकड़ में विकसित हो रहा अत्याधुनिक मेडिकल डिवाइस पार्क, धार और नवसारी में पीएम मित्रा पार्क तथा पीथमपुर का मजबूत ऑटोमोबाइल आधार दोनों राज्यों की औद्योगिक साझेदारी की संभावनाओं को और मजबूत करते हैं। उन्होंने बताया कि पिछले ढाई वर्षों में प्रदेश को विभिन्न क्षेत्रों में 34 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। नवीकरणीय ऊर्जा, पंप्ड हाइड्रो और बायोमास जैसी नीतियों से निवेश का रास्ता आसान हुआ है और इन क्षेत्रों में 7 लाख 19 हजार करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त हुआ है।

मुख्यमत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों से की वन-टू-वन चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवेश संवाद के दौरान प्रमुख उद्योग समूहों के साथ 15 से अधिक वन-टू-वन बैठकें हुईं। इनमें निवेश प्रस्तावों, औद्योगिक विस्तार और मध्यप्रदेश में उपलब्ध निवेश अवसरों पर विस्तार से चर्चा की गई। अरविंद लिमिटेड के साथ पीएम मित्र पार्क में प्रस्तावित 1,200 करोड़ रुपये के निवेश को शीघ्र क्रियान्वित करने, टेक्सटाइल एवं गारमेंट क्षेत्र में उपलब्ध प्रोत्साहनों और पर्यावरण-अनुकूल औद्योगिक अधोसंरचना के विकास पर चर्चा हुई। वहीं, टोरेंट पावर लिमिटेड के साथ अनूपपुर में प्रस्तावित 1600 मेगावाट ताप विद्युत परियोजना, प्रदेश की दीर्घकालीन ऊर्जा सुरक्षा, अतिरिक्त विद्युत क्षमता सृजन और भविष्य में ऊर्जा क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की गई। पेट्रोकेमिकल, केमिकल, टेक्सटाइल, फार्मास्युटिकल्स, फूड प्रोसेसिंग, इंजीनियरिंग, एयरोस्पेस एवं रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों के उद्योग समूहों ने मध्यप्रदेश में निवेश में रुचि दिखाई। वन-टू-वन बैठकों में चिरपाल ग्रुप, गोल्डक्रेस्ट सीमेंट, गुजरात अंबुजा, एजियोस पॉलीफिल्म्स, एरिस लाइफसाइंसेज सहित अन्य उद्योग समूहों के निवेश प्रस्तावों पर चर्चा हुई। गुजरात के निवेशकों एवं उद्योग जगत ने प्रदेश की औद्योगिक नीतियों, व्यवस्थाओं और नेतृत्व के प्रति विश्वास भी व्यक्त किया।

विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त हुए निवेश प्रस्ताव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सीमेंट क्षेत्र में गोल्डक्रेस्ट सीमेंट द्वारा 3,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव से 1,500 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। पैकेजिंग क्षेत्र में एजियोस पॉलीफिल्म्स प्रा. लि. द्वारा 2,500 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव से 1,000 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। वहीं फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र में गुजरात अंबुजा एक्सपोर्ट्स लिमिटेड द्वारा 1,200 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव से 500 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि फार्मास्युटिकल्स क्षेत्र में एरिस लाइफसाइंसेज लिमिटेड द्वारा 500 करोड़ रुपये के निवेश से 800 रोजगार, टेक्सटाइल क्षेत्र में राघव वूवन एलएलपी द्वारा 250 करोड़ रुपये के निवेश से 400 रोजगार, इंजीनियरिंग क्षेत्र में भव्य मशीन टूल्स द्वारा 250 करोड़ रुपये के निवेश से 300 रोजगार, केमिकल क्षेत्र में जय केमिकल इंडस्ट्रीज प्रा. लि. द्वारा 200 करोड़ रुपये के निवेश से 100 रोजगार तथा पैकेजिंग क्षेत्र में बालाजी मल्टीफ्लेक्स प्रा. लि. द्वारा 200 करोड़ रुपये के निवेश से 100 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि टेक्सटाइल क्षेत्र में श्रद्धा स्पन प्रा. लि. द्वारा 160 करोड़ रुपये के निवेश से 600 रोजगार, अन्य क्षेत्र में इनर इंजीनियरिंग प्रोडक्ट्स एंड सिस्टम्स प्रा. लि. द्वारा 150 करोड़ रुपये के निवेश से 160 रोजगार, एयरोस्पेस एवं डिफेंस क्षेत्र में ऑप्टिमाइज्ड ग्रुप द्वारा 100 करोड़ रुपये के निवेश से 120 रोजगार, फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र में जेएमके फूड द्वारा 50 करोड़ रुपये के निवेश से 80 रोजगार, केमिकल क्षेत्र में विबफास्ट ग्रुप द्वारा 50 करोड़ रुपये के निवेश से 75 रोजगार तथा अरुणाया ऑर्गेनिक्स लिमिटेड द्वारा 25 करोड़ रुपये के निवेश से 50 रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है।

मां नर्मदा के दो बेटे देश के औद्योगिक विकास के लिए बढ़ रहे हैं साथ-साथ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के काल से गुजरात की धरती देश को समृद्धि देती आई है। गुजरात ने महात्मा गांधी और सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसे महापुरुष हमें दिए हैं। अब प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यकाल में भारत दुनिया का अग्रणी देश बनने की ओर अग्रसर है। गुजरात और मध्यप्रदेश मां नर्मदा के दो बेटों की तरह हैं। नर्मदा के जल से दोनों प्रदेशों में पेयजल और सिंचाई के पर्याप्त पानी मिल रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सरदार सरोवर बांध के लिए अपने संकल्प को पूरा किया है। दोनों राज्यों में उद्योग, व्यापार, संस्कृति सहित सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए अनुकूलता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि उद्यमी पुरुषार्थ और व्यापार से कई लोगों को रोजगार और घर चलाने का अवसर मिलता है। हम जियो और जीने दो के साहचर्य सिद्धांत पर आगे बढ़ने वाले लोग हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मेगा निवेश संवाद कार्यक्रम में आए उद्योगपतियों और उद्यमियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि गुजरात के साथ संबंध अनेक प्रकार से महात्मा गांधी जी के समय से है। स्वतंत्रता आंदोलन समर में सभी राज्य संयुक्त रूप से संघर्षरत थे। गुजरात से ही सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा आधुनिक भारत की नींव रखने का कार्य किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने मध्यप्रदेश में शिक्षा ग्रहण की। गुजरात में वे द्वारकाधीश बने और जगद्गुरु भी बने। गुजरात की धरती ही कृष्ण को श्री लगाने वाली और समृद्धि देने वाली धरती है। अब एक बार फिर गुजरात और मध्यप्रदेश के साथ अब नया रिश्ता जुड़ रहा है। मध्यप्रदेश में उद्योगों की स्थापना के लिए गुजरात के सभी उद्यमी आमंत्रित हैं। उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में पूरा सहयोग प्राप्त होगा। गुजरात में पेट्रोकेमिकल , रसायन, टेक्सटाइल, फॉर्मा और एनर्जी सेक्टर में अपार संभावनाएं हैं। गुजरात का टेक्सटाइल तो दुनिया में प्रसिद्ध है। गुजरात के पास धार जिले में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 2 हजार एकड़ में बन रहे टेक्सटाइल सेक्टर के पीएम मित्र पार्क का भूमिपूजन किया। यहां तेजी से निवेश आ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी भी गुजरात से हैं। उनके नेतृत्व में भारत पूरे विश्व में सबसे अलग छवि बना रहा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश और गुजरात के मध्य समन्वय तेजी से बढ़ रहा है। इसमें प्रधानमंत्री का जो राज्यों की समृद्धि का संकल्प था, वह क्रियान्वित हो रहा।

स्कूली बच्चों ने रमा और सूर्या को खिलाया फल और गन्ना

हमेशा के लिए यादगार बन गया दिन

सच संवाददाता || उमरिया

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व सिर्फ बाघों के लिए देश-विदेश में नहीं पहचाना जाता, बल्कि यहां के हाथियों की मौजूदगी भी जंगल को सुप्रसिद्ध कर रही है। विश्व हाथी दिवस के अवसर पर बांधवगढ़ में हाथियों के संरक्षण और मानव हाथी सह अस्तित्व को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। ताला परिक्षेत्र में हुए आयोजन में राम और सूर्या (हाथी) ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

कार्यक्रम में पहुंचे स्कूली बच्चों के लिए राम और सूर्या किसी कौतूहल से कम नहीं रहे। विशाल हाथियों को अपने सामने देखकर बच्चों की उत्सुकता देखते ही बन रही थी। बच्चों ने उन्हें गन्ना और फल खिलाया। हाथियों के करीब पहुंचकर उन्हें देखने का यह अनुभव बच्चों के लिए हमेशा के लिए यादगार बन गया। वहीं, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र के क्षेत्रीय संचालक अनुपम सहाय ने बताया कि इस मुलाकात के पीछे सिर्फ एक मनोरंजन नहीं बल्कि एक बड़ा संदेश छिपा हुआ है। वन विभाग ने बच्चों और पर्यटकों को बताया कि जंगल में हाथियों का अपना एक अलग ही महत्व है और उनके प्राकृतिक व्यवहार में मानवीय दखल कम से कम होनी चाहिए। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व क्षेत्र के क्षेत्रीय संचालक अनुपम सहाय ने ये भी कहा कि पालतू हाथी राम और सूर्या भले ही पर्यटकों और बच्चों का आकर्षण का केंद्र रहे हो लेकिन इस जंगल में उनकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षित हाथियों का उपयोग वन्य जीव निगरानी, कठिन जंगल क्षेत्र में बाघ और तेंदुए की ट्रैकिंग के साथ जरूरत पड़ने पर रेस्क्यू ऑपरेशन में भी किया जाता है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्रीय संचालक ने कहा कि हम बच्चों को जागरुक करेंगे तो वे अपने अभिभावकों और ग्रामीणों को जागरूक करेंगे तथा हाथियों के संरक्षण में अपना पूरा योगदान देंगे। इसके साथ ही स्कूल के बच्चों को डॉक्यूमेंट्री दिखाई जा रही है और साथ ही क्विज कंपटीशन भी आयोजित किया गया है।

राष्ट्रगीत के गायन से स्वतंत्रता दिवस समारोह की होगी शुरूआत

भोपाल। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को लाल परेड मैदान भोपाल पर होने वाले राज्य स्तरीय समारोह की शुरूआत राष्ट्रगीत वंदे मातरम से होगी। सामान्य प्रशासन विभाग ने तत्संबंधी निर्देश जारी किए है। जिला से लेकर पंचायत स्तर तक होने वाले स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रमों के लिए भी निर्देश जारी किए गए हैं।

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के लिए सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम जारी किया है। स्वतंत्रता दिवस राज्य स्तरीय मुख्य समारोह लाल परेड मैदान पर 9 बजे राष्ट्रगीत वंदे मातरम के गायन से होगी। मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा और राष्ट्रगान का गायन तथा परेड द्वारा सलामी दी जाएगी। बाद में मुख्यमंत्री डॉ. यादव परेड का निरीक्षण करेंगे और परेड द्वारा मार्च-पास्ट प्रस्तुत किया जाएगा। मार्च पास्ट के बाद मुख्यमंत्री राज्य की जनता के नाम संदेश देंगे। पदक अलंकरण और परेड कमांडर एवं प्लाटून कमांडरो को पुरस्कार वितरण के बाद राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान के बाद समारोह का समापन होगा।

छतरपुर में कुएं में समाई तेज रफ्तार कार पांच लोग थे सवार, देर रात तक चला रेस्क्यू

सच संवाददाता || छतरपुर

मध्य प्रदेश के छतरपुर में कल शाम एक दिल दहला देने वाली घटना घटी जब एक तेज रफ्तार कार ईसानगर में कुएं में समा गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक इस ग्रे कलर की मारूति कार में 5 लोग सवार थे। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि सड़क पर ड्राइवर उसे नियंत्रित नहीं कर पाया और कार सड़क से कुछ दूर मौजूद एक कुएं में समा गई। इस रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना को देख चीख-पुकार मच गई और मौके पर तुरंत ग्रामीण पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

कार में सवार थे 5 लोग देर रात तक चला रेस्क्यू

मामला छतरपुर जिले के ईशानगर थाना इलाके के गहरवार के पास का है। कार सवार लोग जटाशंकर धाम से दर्शन कर गांव कटारे के पुरवा लौट रहे थे। उसी दैरान ये हादसा हो गया। जिस कुएं में ये कार गिरी, उसकी गहराई करीब 50 फीट है। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से 5 में से चार युवकों को भारी मशक्कत के बाद बाहर निकाल लिया गया है, जबकि एक युवक और कार के साथ कुएं में फंस गया, जिसकी मौत हो गई। कार सवार लोगों को निकालने के लिए देर रात रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रहा।

ईशानगर में पदस्थ पुलिस कर्मी वीरेंद्र आहिरवार ने बताया, अंधेरा होने और कुएं में पानी अधिक होने के कारण युवकों को बाहर निकालने में काफी परेशानी आ रही थी। वहीं, कार सवार लोगों में एक छात्र भी शामिल था, जिसे रास्ते में लिफ्ट दी गई थी।

देर रात तक निकाला गया कुएं का पानी

कुएं में पानी ज्यादा होने के कारण रेस्क्यू टीम को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा,लेकिन स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू टीम ने पंपों के सहारे कुएं का पानी खाली कराया ओर फिर कार बाहर निकाली गई। मौके पर पहुंचे बिजावर स्ष्ठह्रक्क रघु केशरी ने बताया, %% कार में पांच लोग सवार थे, सभी जटाशंकर धाम से दर्शन कर अपने गांव लौट रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो गई और सड़क से दूर कुएं में जा गिरी। कार की स्पीड तेज थी और किसी कारणवश ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया, फिर भी हम हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगा रहे हैं. चार लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया,एक कि मौत हो गई है। उसका शव बाहर निकाल लिया गया है।

हादसे में 22 साल के युवक की मौत

पुलिस व एसडीईआरएफ की टीम ने रेस्क्यू के दौरान 22 साल राकेश अहिरवार को भी बाहर निकाल लिया लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। वहीं, क्रेन के सहारे कार को भी बाहर निकाल लिया गया है। यह रेस्क्यू देर रात तक चलता रहा। कार में सवार गुड्डा अहिरवार 25 साल, निवासी ईशानगर, एक नाबालिग निवासी पुरवा, सीताराम अहिरवार 27 साल निवासी कटारे का पुरवा व सूरज अहिरवार 21 साल निवासी कटारे का पुरवा को बचा लिया गया है।

एमपी में कारोबार को मिलेगी नई रफ्तार

दुकानें, मॉल और होटल 24 घंटे तक संचालित किए जा सकेंगे

सच प्रतिनिधि || भोपाल

मध्य प्रदेश में व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने 'मध्य प्रदेश कार्यस्थल सशक्तिकरण संहिता (श्रम शक्ति संहिता), 2026' को मंजूरी दे दी। राज्यपाल की मंजूरी के बाद अब प्रदेश में दुकानों, मॉल, होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को चौबीसों घंटे संचालित करने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, नए नियमों के तहत कारोबार का समय बढ़ाने की अनुमति दी गई है, लेकिन कर्मचारियों के अधिकारों और उनकी सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी गई है।

नई व्यवस्था के अनुसार, किसी भी कर्मचारी से एक सप्ताह में 48 घंटे से अधिक काम नहीं कराया जा सकेगा। यदि किसी कर्मचारी से अतिरिक्त समय तक काम लिया जाता है तो उसकी सहमति लेना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही निर्धारित नियमों के अनुसार अतिरिक्त भुगतान भी करना होगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को कर्मचारियों के लिए अलग-अलग शिफ्ट की व्यवस्था करनी होगी, ताकि लगातार काम कराने की स्थिति पैदा न हो। सरकार ने पंजीयन प्रक्रिया को भी आसान बना दिया है। अब दुकानों और अन्य प्रतिष्ठानों को बार-बार पंजीयन का नवीनीकरण नहीं कराना होगा। एक बार ऑनलाइन पंजीयन कराने के बाद संबंधित प्रतिष्ठान को एक विशिष्ट पहचान संख्या जारी की जाएगी। यदि भविष्य में प्रतिष्ठान से जुड़ी किसी जानकारी में बदलाव होता है तो उसे ऑनलाइन अपडेट किया जा सकेगा।

महाकाल की नगरी में गूंजेगा कांग्रेस का शंखनाद राहुल गांधी के दौरे से मालवा-निमाड़ में बढ़ेगा उत्साह

सच संवाददाता || उज्जैन

बाबा महाकाल की पावन नगरी उज्जैन जल्द ही एक बड़े राष्ट्रीय राजनीतिक घटनाक्रम की साक्षी बनने जा रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का बहुप्रतीक्षित उज्जैन दौरा सितंबर में प्रस्तावित है, जिसे लेकर पूरे मालवा और निमाड़ अंचल के कांग्रेसियों में ऊर्जा और उत्साह की नई लहर दौड़ गई है। राहुल गांधी अपने इस दौरे की शुरुआत विश्वप्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग बाबा महाकाल के दर पर मत्था टेककर आशीर्वाद लेने के साथ करेंगे।

उज्जैन नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने बताया कि यह दौरा महज एक औपचारिक यात्रा न होकर मध्य प्रदेश में कांग्रेस को जमीनी स्तर पर पुनर्जीवित करने और संगठन को बूथ स्तर तक नई धार देने का बड़ा जरिया बनने जा रहा है। दौरे की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें केवल बड़े नेताओं का जमघट नहीं होगा, बल्कि संगठन सृजन अभियान के तहत राहुल गांधी सीधे जमीनी सिपाहियों और कार्यकर्ताओं से संवाद कर संगठन की वास्तविक नब्ज टटोलेंगे।

इस भव्य संवाद कार्यक्रम में उज्जैन संभाग के विभिन्न जिलों रतलाम, देवास, शाजापुर, आगर मालवा, मंदसौर और नीमच के हजारों पदाधिकारी और कार्यकर्ता शिरकत करेंगे। राहुल गांधी जिला व ब्लॉक अध्यक्षों के साथ-साथ मंडल, ग्राम पंचायत अध्यक्षों और बीएलए-2 स्तर के समर्पित कार्यकर्ताओं से सीधे रूबरू होकर बूथ स्तर की वास्तविक स्थिति, संगठन की सक्रियता और आगामी राजनीतिक रणनीतियों पर फीडबैक लेंगे। इस प्रस्तावित दौरे की आधिकारिक तारीखों का ऐलान होना अभी बाकी है, लेकिन उज्जैन में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। कार्यक्रम और संभावित जनसभा के लिए उज्जैन के कार्तिक मेला ग्राउंड को विकल्पों के रूप में देखा जा रहा है। नगर निगम में प्रतिपक्ष के नेता रवि राय सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का कहना है कि आधिकारिक घोषणा से पहले ही संगठन के हर स्तर पर व्यवस्थाएं दुरुस्त की जा रही हैं।

उज्जैन के इस बड़े आयोजन के सफल समापन के बाद इसी तर्ज पर रीवा संभाग में भी कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। इससे पहले राहुल गांधी 5 मार्च 2024 को अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान महाकालेश्वर मंदिर आए थे। माना जा रहा है कि बाबा महाकाल के आशीर्वाद और राहुल गांधी के इस सीधे संवाद से मालवा की धरा पर कांग्रेस संगठन में एक नई क्रांति और अटूट ऊर्जा का संचार होगा।

लेटलतीफी में उलझी स्कूल की ड्रेस

1,17,600 छात्रों को अब तक नहीं मिला स्कूल यूनिफार्म

सच संवाददाता || रतलाम

नए शिक्षा सत्र को शुरू हुए ढाई महीने से अधिक का समय हो चुका है, लेकिन कक्षा पहली से आठवीं तक के बच्चों को मिलने वाली स्कूल ड्रेस का अब तक पता नहीं है। मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इस बार गणवेश वितरण की नीति में किए गए परिवर्तन की वजह से बच्चों को अब तक गणवेश नहीं मिल पाया है। रतलाम जिले के 1 लाख 17 हजार छात्र और छात्राएं इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में पुरानी स्कूल ड्रेस पहन कर ही शामिल हो पाएंगे। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार शासन स्तर पर ही बच्चों की स्कूल ड्रेस का मामला लंबित है।

दरअसल, पहली से आठवीं तक के बच्चों को निशुल्क स्कूल ड्रेस उपलब्ध करवाए जाने की योजना मध्य प्रदेश में वर्ष 2004 से लागू है। लेकिन बीच के वर्षों में इस व्यवस्था में परिवर्तन भी होते रहे हैं. इस वर्ष से पूर्व बच्चों के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से स्कूल ड्रेस की राशि सीधे पहुंचती थी। प्रत्येक छात्र को दो स्कूल ड्रेस के लिए ?600 की राशि दी जाती थी। लेकिन इस वर्ष शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों को सीधे स्कूल से ही रेडीमेड गणवेश दिए जाने के निर्देश जारी किए गए थे।

इस मामले में शिक्षा केंद्र के सहायक परियोजना समन्वयक विवेक नागर ने बताया कि बच्चों की स्कूल ड्रेस के संबंध में शासन स्तर पर ही निर्णय होना है। रतलाम जिले में पहली से कक्षा आठवीं तक कुल 1,17,600 छात्र हैं, जिन्हें स्कूल ड्रेस वितरित करनी थी। विभाग द्वारा पोर्टल पर बच्चों की स्कूल ड्रेस से संबंधित जानकारी दर्ज कर दी गई है।